



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3 Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 256] नई विलो, शनिवार, मई 20, 1978/वैशाख 30, 1900

No. 256] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 20, 1978/VAISAKHA 30, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न थीं जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के लिए
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य, नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पूति और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई विलो, 20 मई, 1978

का० आ० 345(अ) :—केन्द्रीय सरकार की राय है कि चाय के, जो एक आवश्यक वस्तु है, प्रदाय को बनाए रखने के लिए और उसका साम्पूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है,

अत. अब, अ.वश्यक वस्तु आधारितम्, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम चाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टाकों की ओषणा) वित्तीय आदेश, 1978 है।

(2) यह प्रवृत्त प्रबूल होगा।

2. परिभाषाएः—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से प्रत्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'कमीशन अभिकर्ता' से ऐसा कमीशन अभिकर्ता अभिप्रेत है जिसे ऐसे अभिकर्ता के रूप में कारबाहर के लूपिक अनुच्छेद में चाय बेचने का या चाय बेचने के प्रयोजनों के लिए चाय को प्रेरणित करने का, या चाय खरीदने का प्राधिकार प्राप्त है;

(ख) 'अवहारी' से चाय का अवहारी अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत बल्ल, कमीशन अभिकर्ता, विनिर्माता और गोदाम रक्काम भी हैं;

(ग) 'राज्य आदेश' से आवश्यक अस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के उपबंधों के अधीन किसी राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा चाय के संबंध में जारी किया गया और उत्पाद व्यवस्था आदेश अभिप्रेत है;

(घ) 'चाय' से कमेलिया नाइनेटीन (एल) श्री कुर्जे नामक पौधा, और साथ ही उक्त पौधे की पत्तियों से बने उत्पाद की, जो वाणिज्य जगत में चाय के नाम से, जिसके अंतर्गत हरी चाय भी है, जात है, सभी किसी अभिप्रेत हैं;

(ङ) 'गोदाम रक्काम' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके स्थानिक से ऐसा कोई गोदाम हो या जो ऐसा कोई गोदाम बनाए रखता हो जहाँ नीलाम द्वारा अथवा अन्य प्रकार से दिकी के प्रयोजनार्थ चाय का भण्डारण किया जाता है;

(च) यहा प्रत्यक्ष किन्तु अपरिस्कृप्त गव्डों और पदों के यही अर्थ होगे जो उन्हे अमरण: चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) से विए गए हैं।

3. अवहारियों का रजिस्ट्रीकरण—किसी राज्य आदेश में किसी बात के होने हुए भी, ५८ आदेश के प्रवृत्त होने से ३० दिन की अवधि का अवशान होने के पछात कोई व्यक्ति, यदि उसके कब्जे में चाय का 1000 किलोग्राम से अधिक स्टाक हो सो, अवहारी के रूप में तब तक कोई कारबाहर नहीं करेगा जब तक कि वह गज्य आदेश के उपबंधों के अनुसार इस रूप में रजिस्ट्रीकृत न हो।

परन्तु जहाँ अवहारी के रूप में कारबाहर करने वाले किसी व्यक्ति यो चाय (अवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टाकों की घोषणा) आदेश, 1978 के खड ३ के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया है वहाँ उन्हे इस खंड के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया समझा जाएगा।

4. विवरणीयः—प्रत्येक अवहारी ऐसे प्राधिकारी को, जिसे राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस निमित्त राज्य सरकारे विर्तिविट करे, अपने द्वारा रखी गई चाय के उतने स्टाक को, जितना 1000 किलोग्राम से अधिक हो १० पार्किंग विवरणी देगा।

5. राज्य आदेशों का लागू होना—राज्य आदेशों के उपबंध ऐसे किसी मामले की बाबत लागू होंगे जिसके लिए इस आदेश में विनिर्णियतया कोई भी उपबंध नहीं किया गया है।

6. निरसनः—चाय (अवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टाकों की घोषणा) आदेश, 1978 निरसित किया जाता है।

[फा ०सं० २६(३)/७८-ह०सी-०ग्रा०]

टी० बालकुण्ठ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

(Dept. of Civil Supplies & Co-operation)

ORDER

New Delhi, the 20th May, 1978

S.O.345 (E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies of tea, an essential commodity, and for securing its equitable distribution;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Second Order, 1978.

(2) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires.—

(a) “commission agent” means a commission agent having in the customary course of business as such agent authority either to sell tea, or to consign tea for the purpose of sale or to buy tea;

(b) “dealer” means a dealer in tea, and includes a broker, commission agent, manufacturer and a warehouse keeper;

(c) “State Order” means any Order issued by any State Government or Union Territory Administration under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) in relation to tea and in force for the time being;

(d) “tea” means the plant *Camellia Sinensis* (L.) O. Kuntze as well as all varieties of the product known commercially as tea made from the leaves of the said plant, including green tea;

(e) “warehouse keeper” means a person who owns or maintains a warehouse wherein tea is stored for the purposes of sale either by auction or otherwise;

(f) words and expressions used but not defined herein shall have the meanings respectively assigned to them in the Tea Act, 1953 (29 of 1953).

3. Registration of dealers.—Notwithstanding anything contained in any State Order, after the expiration of a period of 30 days from the coming into force of this order, no person shall, if the stocks of tea in his possession exceed 1,000 kilograms, carry on business as a dealer unless he is registered as such in accordance with the provisions of a State Order:

Provided that where any person carrying on business as a dealer has registered under clause 3 of the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1978, he shall be deemed to have been registered under this clause.

666 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II]—SEC. 3(ii)]

4. Returns.—Every dealer shall furnish fortnightly returns to such authority as may be specified by the State Governments in this behalf by notification in the Official Gazette in respect of such stocks of tea held by him as are in excess of 1,000 kilograms.

5. State Orders to apply:—The provisions of the State Orders shall apply in respect of any matter for which no provision has been specifically made in this Order.

6. Repeal.—The Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1978, is hereby repealed.

[F. No. 26(3)/78-ECR]
T. BALAKRISHNAN, Jt. Secy.